



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II)  
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

पाधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

---

सं. 627] नई दिल्ली, मंगलवार, अक्टूबर 19, 1993/आश्विन 27, 1915

No. 627] NEW DELHI, TUESDAY, OCTOBER 19, 1993/ASVINA 27, 1915

---

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर, 1993

का.आ. 809(अ).—आतंकवादी तथा विध्वंसक क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1987 की धारा 13 की उपधारा (1) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री जय सिंह तेरांग, अगिष्ट लोक अभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, शिलांग, को सर्वश्री ज्वेल, गोंगी, प्रोबिन गोगोई, तनाल तथा अन्यो के खिलाफ, उक्त अधिनियम के तहत गुवाहाटी, असम में गठित नाभोदिष्ट न्यायालय में, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना

के नियमित मामला सं. 1 (एच)/91-एच.आई.यू. (III)/नई दिल्ली में अभियोगजन चलाने के वास्ते विशेष लोक अभियोजक के रूप में नियुक्त करती है।

[सं. 3/1/93—विधायी सेल]

सी. डी. आर्हा, नियुक्त सचिव

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

### NOTIFICATION

New Delhi, the 19th October, 1993

S.O. 809(E).—In exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (1) of section 13 of the Terrorist and Disruptive Activities (Prevention) Act, 1987 (28 of 1987), the Central Government hereby appoints Shri Joy Singh Terrang, Senior Public Prosecutor, Central Bureau of Investigation, Shillong, as a Special Public Prosecutor to conduct prosecution in regular case No. 1(S)/91-SIU(III)/New Delhi, of the Delhi Special Police Establishment against S/Shri Jewel Gogi, Probin Gogoi, Tatal and others in the Designated Court at Guwahati, Assam constituted under the said Act

[No. 3/1/93-Legal Cell]

C. D. ARHA, Jt. Secy.